हरियाणा अर्थव्यवस्था की स्थिति

1

हरियाणा अर्थव्यवस्था एवं परिप्रेक्ष्य

हरियाणा राज्य सम्पन्न संस्कृति और कृषि समृद्ध भूमि है। यह उत्तर में हिमाचल प्रदेश, पूर्व में उत्तर प्रदेश, पश्चिम में पंजाब व दक्षिण में राजस्थान से घिरा हुआ है। यह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटा राज्य है और इसे तीन तरफ से घेरता है। हरियाणा सेंट्रल पूल जो कि अधिशेष खाद्य अनाज की एक राष्ट्रीय भण्डार प्रणाली है, में काफी मात्रा में गेहूँ और चावल का योगदान देता है। हरियाणा ने औद्योगिक क्षेत्र के विकास में भी तेजी से प्रगति की है। हरियाणा के प्रमुख उद्योग मोटर वाहन, आई.टी., कृषि एवं पैट्रोकैमिकल है। ऑटो की बड़ी कम्पनियों और ऑटो पार्टस निर्माताओं के लिए पसंदीदा स्थान होने के कारण राज्य देश का सबसे बड़ा ऑटो मोबाइल केन्द्र है। पानीपत में स्थित पानीपत रिफाइनरी (आई.ओ.सी. एल.) दक्षिण एशिया की दूसरी सबसे बड़ी रिफाइनरी है। राज्य सरकार एक प्रगतिशील कारोबारी माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा का संरचनात्मक परिवर्तन कृषि राज्य से सेवा क्षेत्र में मजबूत वृद्धि दर्ज करने के साथ औद्योगिक राज्य के रूप में हो रहा है, राज्य ने सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रगति को दर्शाया है। यद्यपि हरियाणा भौगोलिक दृष्टि से एक छोटा राज्य है जो देश के केवल 1.3 प्रतिशत क्षेत्र में फैला हुआ है इसके बावजूद राज्य का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में स्थिर (2011–12) कीमतों पर वर्ष 2021–22 के द्रुत व वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार योगदान 3.9 प्रतिशत है।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद

1.2 अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) के अनुमान तैयार करता है। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, प्रचलित कीमतों पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 9,94,154.08 करोड़ रूपये होने का अनुमान है जो वर्ष 2021–22 की 17.4 प्रतिशत की वृद्वि की तुलना में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2022–23 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर (2011–12) कीमतों पर 7.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,08,420.26 करोड़ रूपये होने का अनुमान है। वर्ष 2021–22 में यह वृद्वि 11.3 प्रतिशत दर्ज की गई थी। राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित और स्थिर (2011–12) कीमतों पर **तालिका 1.1** में दिया गया है और सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वर्ष दर वर्ष वास्तविक वृद्धि दर **आकृति 1.1** में दी गई है।

1.3 राज्य के सकल राज्य मूल्य वर्धन (जी.एस.वी.ए.) में स्थिर (2011–12) कीमतों पर वर्ष 2021–22 के दौरान 10.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2022–23 में सकल राज्य मूल्य वर्धन में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है। उद्योग क्षेत्र में 6.3 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष 2022–23 में 7.1 प्रतिशत की कुल वृद्धि हुई। सकल राज्य मूल्य वर्धन में वर्ष दर वर्ष वास्तविक वृद्धि दर **तालिका 1.2** तथा **आकृति 1.2** में दर्शाई गई है।

राज्य अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन

1.4 हरियाणा राज्य के गठन के समय, राज्य की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि आधारित थी। चौथी पंचवर्षीय योजना के शुरूआती वर्ष (1969–70) में स्थिर मूल्यों पर राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों (फसलें, पशुधन, वन एवं मत्स्य पालन) का सबसे अधिक योगदान (60.7 प्रतिशत) रहा, इसके बाद सेवा क्षेत्र (21.7 प्रतिशत) तथा उद्योग क्षेत्र (17.6 प्रतिशत) का योगदान रहा है।

तालिका 1.1–हरियाणा राज्य का सकल घरेलू उत्पाद

(करोड़ रूपये में)

वर्ष	सकल राज्य घरेलू उत्पाद	
	प्रचलित भावों पर	स्थिर (2011–12) भावों पर
2011–12	297538.52	297538.52
2012–13	347032.01	320911.91
2013–14	399268.12	347506.61
2014–15	437144.71	370534.51
2015–16	495504.11	413404.79
2016–17	561424.17	456709.11
2017–18	638832.08	482036.15
2018–19	698939.76	532996.04
2019–20	732194.51	544275.44
2020–21	741850.07	510306.11
2021–22 (द्रु:)	870664.53	568086.06
2022–23 (अग्र:)	994154.08	608420.26

द्रु.: द्रुत अनुमान, अग्र.: अग्रिम अनुमान स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

आकृति 1.1– हरियाणा तथा भारत के सकल घरेलू उत्पाद में स्थिर (2011–12) कीमतों पर वृद्धि

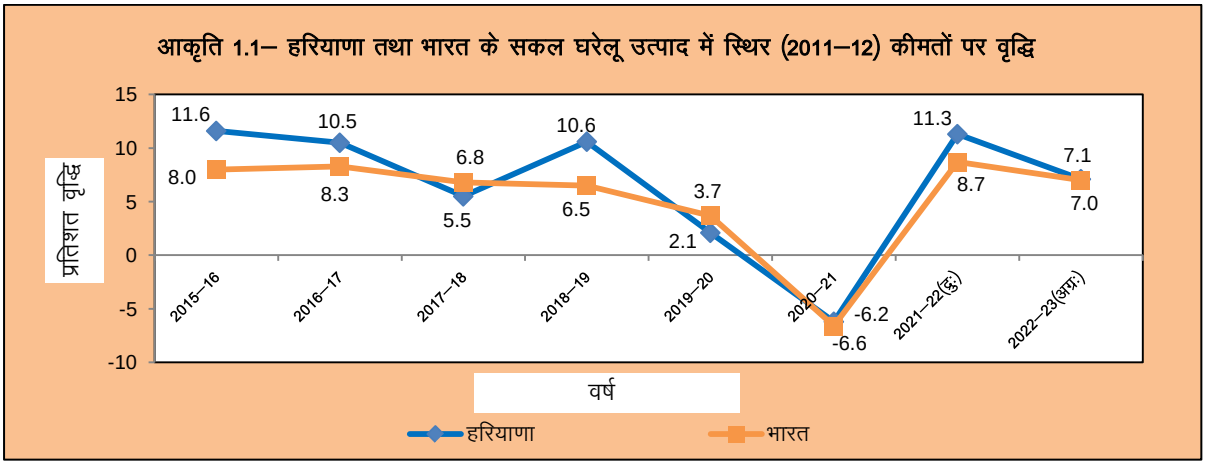

तालिका 1.2–सकल राज्य मूल्य वर्धन में वृद्धि दर स्थिर (2011–12) मूल्यों पर

(प्रतिशत)

क्षेत्र	हरियाणा								अखिल भारत
	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22 (द्रु:)	2022–23 (अग्र:)	2022–23* (अग्र:)
कृषि एवं सहबद्ध	3.8	7.9	7.0	8.8	5.3	-0.7	1.6	5.3	3.5
उद्योग	11.4	12.9	3.6	13.0	-2.4	-2.0	11.8	6.3	4.1
सेवा	10.8	8.6	5.6	8.5	4.6	-9.0	12.4	8.4	9.1
सकल राज्य मूल्य वर्धन	9.7	9.9	5.2	10.0	2.4	-5.2	10.1	7.1	6.7

द्रु.: द्रुत अनुमान, अग्र.: अग्रिम अनुमान स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

* स्त्रोतः एन.एस.ओ., नई दिल्ली की प्रेस विज्ञप्ति, दिनांक 6 जनवरी, 2023

1.5 चौथी और 10वीं पंचवर्षीय योजनाओं के मध्य के 37 वर्षो (1969–70 से 2006–07) की अवधि के दौरान उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों ने कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों की औसत वार्षिक वृद्धि दर की तुलना में अधिक वृद्धि दर्ज की है जिसके कारण राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग और सेवा क्षेत्रों की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई तथा कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी कम हुई। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों की हिस्सेदारी 1969–70 में 60.7 प्रतिशत से घटकर 2006–07 में 21.3 प्रतिशत रह गई जबकि उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 1969–70 में 17.6 प्रतिशत से बढ़कर 2006–07 में 32.1 प्रतिशत हो गई। सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी इसी अवधि के दौरान 21.7 प्रतिशत से बढ़कर 46.6 प्रतिशत हो गई।

आकृति 1.2– हरियाणा के सकल राज्य मूल्य वर्धन में स्थिर (2011–12) कीमतों पर वृद्धि

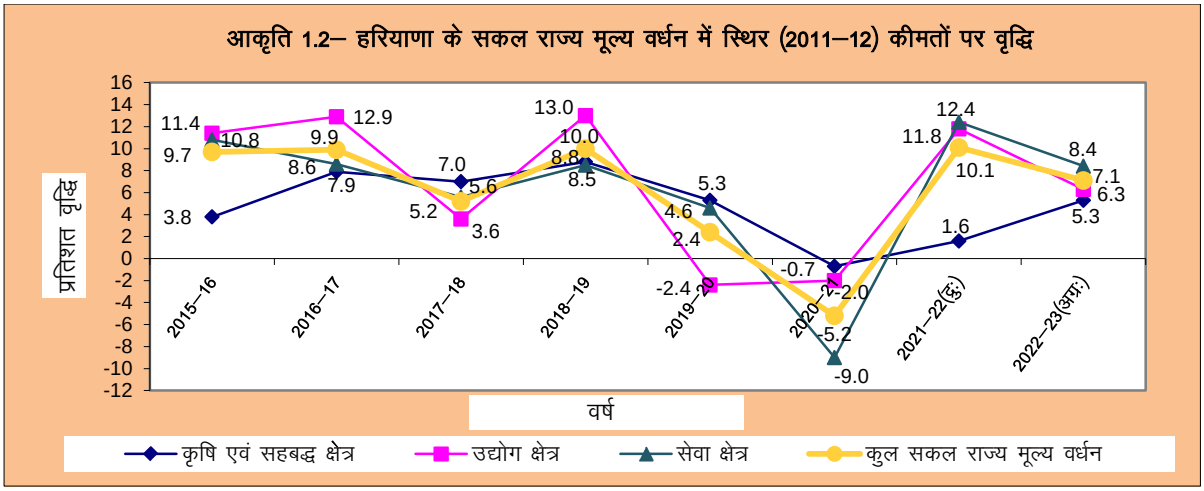

1.6 11वीं पंचवर्षीय योजना से राज्य अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक परिवर्तन की गति अन्य दो क्षेत्रों की तुलना में सेवा क्षेत्र में दर्ज उच्च वृद्धि के परिणामस्वरूप ज्यों की त्यों जारी रही, सकल राज्य मूल्य वर्धन में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी वर्ष 2022–23 में 49.4 प्रतिशत तक मजबूत हुई जिसके परिणामस्वरूप कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों (17.4 प्रतिशत) की हिस्सेदारी घट गई। सकल राज्य मूल्य वर्धन में वर्ष 2022–23 के दौरान उद्योग क्षेत्र का योगदान 33.2 प्रतिशत दर्ज किया गया है। राज्य अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों की हिस्सेदारी **आकृति 1.3** में दर्शायी गई है।

प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद

1.7 प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद जिसे प्रति व्यक्ति आय के रूप में भी जाना जाता है, प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कमाई गई आय का औसत है। वर्ष 1966 में हरियाणा राज्य के गठन के समय प्रचलित कीमतों पर राज्य की प्रति व्यक्ति आय केवल 608 रूपये थी। तब से प्रति व्यक्ति आय में कई गुणा वृद्धि हुई है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय और इसकी वृद्धि दर को क्रमशः **तालिका 1.3 और आकृति 1.4** में दर्शाया गया है।

आकृति 1.3–वर्ष 2022–23 में राज्य अर्थव्यवस्था की क्षेत्रवार संरचना स्थिर (2011–12) कीमतों पर

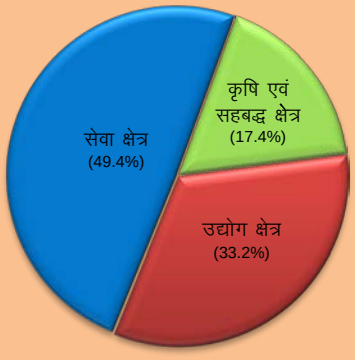

तालिका 1.3– प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद

वर्ष	हरियाणा (रूपये)		अखिल भारत (रूपये)	
	प्रचलित भावों पर	स्थिर (2011–12) भावों पर	प्रचलित भावों पर	स्थिर (2011–12) भावों पर
2011–12	106085	106085	63462	63462
2012–13	121269	111780	70983	65538
2013–14	137770	119791	79118	68572
2014–15	147382	125032	86647	72805
2015–16	164963	137833	94797	77659
2016–17	184982	150259	104880	83003
2017–18	208437	156200	115224	87586
2018–19	223022	169604	125946	92133
2019–20	230563	170616	132115	94270
2020–21	229065	155756	126855	85110
2021–22 (द्रु:)	264835	172657	150007	91481
2022–23 (अग्र.)	296685	181961	170620*	96522*

द्रु.: द्रुत अनुमान, अग्र.: अग्रिम अनुमान।

* स्त्रोतः एन.एस.ओ., नई दिल्ली की प्रेस विज्ञप्ति, दिनांक 6 जनवरी, 2023।

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

आकृति 1.4– प्रचलित कीमतों पर हरियाणा और अखिल भारत की प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि

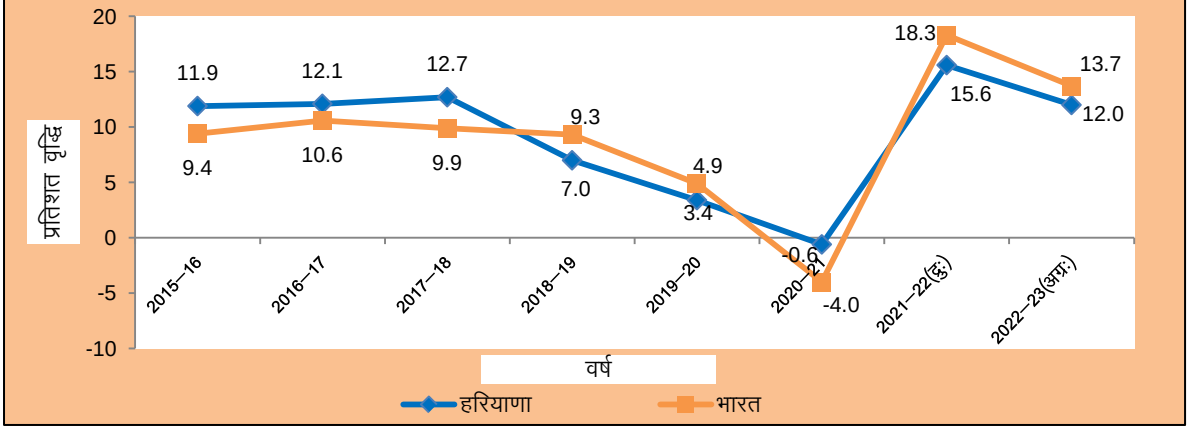

1.8 राज्य की प्रति व्यक्ति आय स्थिर (2011–12) भावों पर वर्ष 2022–23 में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,81,961 रूपये अनुमानित की गई है जो वर्ष 2021–22 में 10.9 प्रतिशत दर्ज की गई थी। प्रचलित कीमतों पर वर्ष 2022–23 में इसके 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,96,685 रूपये होने की सम्भावना है जबकि वर्ष 2021–22 में 15.6 प्रतिशत दर्ज की गई थी। अतः वर्ष 2022–23 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय प्रचलित और स्थिर दोनों भावों पर राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय क्रमशः 1,70,620 रूपये और 96,522 रूपये की तुलना में अधिक रहने की सम्भावना है।

कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्र

1.9 कृषि राज्य अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और जनसंख्या के अधिकांश लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों पर निर्भर हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, राज्य के गठन 1 नवम्बर, 1966 से ही कृषि क्षेत्रों को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। राज्य में मजबूत बुनियादी सुविधाएं जैसे पक्की सडकें, ग्रामीण विद्युतीकरण, नहरों का जाल, मार्किट यार्ड का विकास इत्यादि के बनने से कृषि के विकास में अति वांछनीय तरक्की हुई है। इन सुविधाओं के निर्माण के साथ–साथ कृषि अनुसंधान प्रोत्साहन एवं उत्कृष्ट विस्तार नेटवर्क द्वारा किसानों के लिए बेहतर कृषि पद्धतियों से संबंधित जानकारी के प्रसारण से बेहतर परिणाम हासिल हुए हैं।

1.10 कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्र का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यद्यपि राज्य अर्थव्यवस्था में पिछले कुछ वर्षों के दौरान तेजी से हुए संरचनात्मक परिवर्तन के कारण राज्य के सकल राज्य मूल्य वर्धन में सेवा क्षेत्र का योगदान बढा है जिसके कारण कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का योगदान घटा है। वर्ष 2022–23 के सकल राज्य मूल्य वर्धन में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का योगदान स्थिर (2011–12) कीमतों पर 17.4 प्रतिशत दर्ज किया गया है। राज्य का आर्थिक विकास पिछले कुछ वर्षो में उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों की विकास दर पर ज्यादा निर्भर रहा है। हालांकि हाल के अनुभवों से ज्ञात होता है कि कृषि क्षेत्र के लगातार व तेज विकास के बिना सकल राज्य मूल्य वर्धन की विकास दर में वृद्धि राज्य में मुद्रा स्फीति का कारण बन सकती है, जो लम्बी विकास प्रक्रिया को खतरे में डाल देगी। इसलिए राज्य अर्थव्यवस्था के सम्पूर्ण विकास में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का विकास एक महत्वपूर्ण घटक रहेगा।

1.11 कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में कृषि, वानिकी एवं लोगिंग व मत्स्य पालन उप–क्षेत्र शामिल है। कृषि क्षेत्र में फसलों की खेती व पशुपालन मुख्य घटक हैं, इनका कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों के सकल राज्य मूल्य वर्धन में लगभग 92.6 प्रतिशत का योगदान है। कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्र के सकल राज्य मूल्य वर्धन में

वानिकी और मत्स्य पालन उप–क्षेत्रों का योगदान मात्र क्रमशः 5.1 प्रतिशत तथा 2.3 प्रतिशत है जिससे इन दो उप–क्षेत्रों का कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्र के समग्र विकास पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

1.12 कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का सकल राज्य मूल्य वर्धन स्थिर (2011–12) मूल्यों पर विभिन्न वर्षों में दर्ज विकास दर के साथ **तालिका 1.4** में दर्शाया गया है। वर्ष 2021–22 में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में 1.6 प्रतिशत की कम वृद्वि दर्ज की गई थी। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार इस क्षेत्र में सकल राज्य मूल्य वर्धन 5.3 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ 92,861.74 करोड़ रूपये दर्ज किया गया। वर्ष 2022–23 में कृषि क्षेत्र जिसमें फसल एवं पशुपालन उपक्षेत्र शामिल है, का सकल राज्य मूल्य वर्धन 5.0 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 85,973.39 करोड़ रूपये अनुमानित किया गया जबकि इसी वर्ष के दौरान वानिकी व लोगिंग और मत्स्य उप क्षेत्रों का सकल राज्य मूल्य वर्धन क्रमशः 3.9 प्रतिशत तथा 21.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,787.75 करोड़ रूपये तथा 2,100.60 करोड़ रूपये दर्ज किया गया।

तालिका 1.4– कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का सकल राज्य मूल्य वर्धन स्थिर (2011–12) भावों पर

(करोड़ रूपये में)

क्षेत्र	**2011–12**	**2015–16**	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**2020–21**	**2021–22 (द्रु:)**	**2022–23 (अग्र:)**
फसल व पशुपालन	59785.53	61034.66 (3.8)	67216.40 (10.1)	71349.75 (6.1)	77731.95 (8.9)	81578.98 (4.9)	80698.22 (-1.1)	81867.05 (1.4)	85973.39 (5.0)
वानिकी तथा लोंगिग	3894.90	3984.38 (2.2)	2871.82 (-27.9)	3372.29 (17.4)	3735.75 (10.8)	4286.89 (14.8)	4444.96 (3.7)	4607.05 (3.6)	4787.75 (3.9)
मत्स्य	858.43	1003.17 (11.4)	1178.37 (17.5)	1567.94 (33.1)	1537.34 (-2.0)	1558.17 (1.4)	1705.95 (9.5)	1725.78 (1.2)	2100.60 (21.7)
कृषि एवं सहबद्व क्षेत्र	**64538.86**	**66022.21 (3.8)**	**71266.59 (7.9)**	**76289.98 (7.0)**	**83005.04 (8.8)**	**87424.05 (5.3)**	**86849.12 (-0.7)**	**88199.89 (1.6)**	**92861.74 (5.3)**

द्रु: द्रुत अनुमान, अग्र: अग्रिम अनुमान *कोष्ठक में लिखे गए आँकडे पिछले साल से प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।
स्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

तालिका 1.5– औद्योगिक क्षेत्र में सकल राज्य मूल्य वर्धन स्थिर (2011–12) मूल्यों पर

(करोड़ रूपये में)

क्षेत्र	**2011–12**	**2015–16**	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**2020–21**	**2021–22 (द्रु:)**	**2022–23 (अग्र:)**
खनन व उत्खनन	118.82	695.23 (110.1)	1191.15 (71.3)	1089.03 (-8.6)	772.57 (-29.1)	1314.71 (70.2)	1209.73 (-8.0)	1163.18 (-3.8)	1233.15 (6.0)
विर्निमाण	53286.09	84936.38 (17.4)	97157.52 (14.4)	99031.41 (1.9)	114523.98 (15.6)	109266.45 (-4.6)	110110.58 (0.8)	123069.34 (11.8)	130200.60 (5.8)
बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य सेवाएं	3446.04	2960.61 (-9.4)	3561.64 (20.3)	4439.79 (24.7)	4230.47 (-4.7)	4715.88 (11.5)	4328.94 (-8.2)	4731.53 (9.3)	5147.91 (8.8)
निर्माण	29759.66	29581.79 (-1.9)	31522.08 (6.6)	33630.63 (6.7)	36652.32 (9.0)	37161.46 (1.4)	33744.60 (-9.2)	38016.55 (12.7)	40969.26 (7.8)
उद्योग	**86610.61**	**118174.01 (11.4)**	**133432.38 (12.9)**	**138190.85 (3.6)**	**156179.33 (13.0)**	**152458.50 (-2.4)**	**149393.85 (-2.0)**	**166980.61 (11.8)**	**177550.92 (6.3)**

द्रु: द्रुत अनुमान अग्र: अग्रिम अनुमान *कोष्ठक में लिखे गए आँकडे पिछले वर्ष से प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।
स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

1.13 राज्य में फसलों के अधीन क्षेत्र, कृषि उत्पादन और उपज के सूचकांक वर्ष 2007–08 से 2021–22 तक (आधार त्रैवर्षान्त 2007–08=100) दर्शाते हैं कि फसलों के अधीन क्षेत्र का सूचकांक 2020–21 में 97.48 था जो कि वर्ष 2021–22 में घट्कर 95.18 हो गया। कृषि उत्पादन सूचकांक 2020–21 में 115.43 था जो कि वर्ष 2021–22 में बढकर 123.71 होने का अनुमान है जबकि इस अवधि में कृषि उपज का सूचकांक वर्ष 2020–21 में 118.41 से बढकर वर्ष 2021–22 में 129.97 हो जाएगा। अनाज खाद्यान्नों का उत्पादन सूचकांक वर्ष 2020–21 में 139.49 से बढकर वर्ष 2021–22 में 140.15 हो गया जबकि अखाद्यान्नों का सूचकांक वर्ष 2020–21 में 23.91 से बढकर वर्ष 2021–22 में 88.50 होने का अनुमान है।

उद्योग क्षेत्र

1.14 विभिन्न वर्षों के दौरान औद्योगिक क्षेत्र का उप–क्षेत्रवार सकल राज्य मूल्य वर्धन तथा इसकी विकास दर को स्थिर (2011–12) मूल्यों पर **तालिका 1.5** में दर्शाया गया है। वर्ष 2020–21 के अनन्तिम अनुमानों में आंके गए 1,49,393.85 करोड़ रुपये के सकल राज्य मूल्य वर्धन की तुलना में वर्ष 2021–22 के द्रुत अनुमानों में यह 1,66,980.61 करोड़ रुपये आंका गया जो वर्ष 2020–21 में 2 प्रतिशत नकारात्मक वृद्धि की तुलना में 2021–22 में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन 1,77,550.92 करोड़ रूपये आंका गया जो पिछले वर्ष से 6.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

1.15 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आई.आई.पी.) एक चयन किए गए आधार वर्ष पर एक समय अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन की प्रवृति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण सूचकों में से एक है। इस समय राज्य में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, अर्थ एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा आधार वर्ष 2011–12 के आधार पर तैयार किये जा रहे हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की मुख्य क्षेत्रों में वृद्धि व उपयोग आधारित श्रेणियां वर्ष 2019–20 से 2020–21 तक **तालिका 1.6** में दी गई है।

1.16 आधार वर्ष 2011–12 के अनुसार सामान्य औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्ष 2019–20 में 154.4 से बढ़कर वर्ष 2020–21 में 151.2 हो गया जिसमें –2.1 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। विनिर्माण क्षेत्र का सूचकांक वर्ष 2019–20 के 166.4 से घट्कर वर्ष 2020–21 में 158.1 हो गया जो गत वर्ष की तुलना में –4.9 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में विद्युत क्षेत्र वर्ष 2019–20 में नकारात्मक वृद्धि –31.9 प्रतिशत दर्शाता है, जो कि वर्ष 2019–20 में 72 से घटकर वर्ष 2020–21 में 69.9 हो गया। जो कि गत वर्ष की तुलना में –2.9 प्रतिशत नकारात्मक वृद्धि दर्शाता है।

तालिका 1.6–हरियाणा में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्ष 2011–12=100)

औद्योगिक समूह	सूचकांक	
	2019–20	2020–21
विनिर्माण	166.4 (15.0)	158.1 (-4.9)
विद्युत	72.0 (-31.9)	69.9 (-2.9)
उपयोग आधारित वर्गीकरण		
क – प्राथमिक वस्तुएं उद्योग	85.4 (-23.6)	57-4 (-32.8)
ख – पूंजीगत वस्तुएं उद्योग	203.6 (25.3)	209.2 (2.8)
ग – मध्यवर्ती वस्तुएं उद्योग	139.5 (9.8)	173.8 (24.6)
घ – आधार संरचना, निर्माण उद्योग	126.7 (-13.2)	110.0 (-13.2)
ड – उपभोक्ता स्थिर वस्तुएं	163.0 (0.7)	151.6 (-7.0)
च – उपभोक्ता अस्थिर वस्तुएं	68.9 (7.3)	53.8 (-21.9)
औद्योगिक उत्पादन सामान्य सूचकांक	**154.4 (8.8)**	**151.2 (-2.1)**

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

1.17 प्राथमिक वस्तु के उद्योगों जैसे आर्गन गैस, नाईट्रोजन लिक्विड, ऑक्सीजन लिक्विड, यूरिया, बिटूमन, एल.पी.जी. सिलेण्डर ऑफ आयरन तथा स्टील, विद्युत इत्यादि का सूचकांक वर्ष 2019–20 में 85.4 से घटकर वर्ष 2020–21 में 57.4 हो गया, जिसमें –32.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

1.18 पूंजीगत वस्तु के उद्योगों जैसे कनवेयर बैल्ट, दन्त चिकित्सा, मोटर, फैन, डायमंड टूल्स, कल्टीवेटर्स, स्पिरिंग पिन, एयर ब्रेक सेट, एक्सल, ट्रैकस, रेलवे/ट्रामवे इत्यादि का सूचकांक वर्ष 2019–20 में 203.6 की तुलना में वर्ष 2020–21 में 209.2 हो गया, जिसमें 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

1.19 मध्यवर्ती वस्तु के उघोगों जैसे मड/मौलासिस वेस्ट, प्लाईवुड बोर्ड, एल्यूमिनियम इनगोट, कास्ट आयरन, मशीन सिकरू आयरन तथा स्टील, गियर केस एसेंमबली, मेडिकल सर्जीकल लैबोरेट्री स्टरलाईजर इत्यादि का सूचकांक वर्ष 2019–20 में 139.5 से बढ़कर वर्ष 2020–21 में 173.8 हो

गया, जिसमें 24.6 प्रतिशत की वृद्वि दर्ज हुई है।

1.20 उपभोक्ता संरचनात्मक वस्तुओं जैसे पेंट, सीमेंट, पोर्टलैंड, केबल, इन्सूलेटिड पी.वी.सी., स्क्रेप कास्ट आयरन, सीमेंट, अन्य उत्पाद केबल, इन्सूलेटिड रबड़, सीरैमिक टाईल्स इत्यादि का सूचकांक वर्ष 2019–20 में 126.7 से घटकर वर्ष 2020–21 में 110 हो गया, जिसमें –13.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

1.21 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे की कॉटन, कार्डिड या कौम्बड, कॉटन फैबरिक्स, फैबरिक्स, कॉटन कम्बल, गारमेन्टस कपडे, हैंडबैग, कृत्रिम फर, अन्य सपोर्टस फुटवियर, स्केटिंग बूट के अतिरिक्त, किताबें, रेक्सिन, आडियो सी.डी./डी.वी.डी. प्लेयर, रबड़ कपडा/सीट, कैमपिंग, पैन बाडी प्लास्टिक, स्टैपलर, हथकरघा/साजोसमान के फैन्सी आईटम इत्यादि का सूचकांक वर्ष 2019–20 में 163 से घट़कर वर्ष 2020–21 में 151.6 हो गया, जोकि –7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है।

1.22 उपभोक्ता अस्थिर वस्तुएं जैसे सूखी सब्जियां, दूध, बासमती चावल, चीनी, बिस्कुट, ब्लैक चाय, रैक्टीफाईड स्पिरिट, चबाने का तम्बाकू तथा पेय फिल्टर्स इत्यादि का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्ष 2019–20 में 68.9 से घटकर वर्ष 2020–21 में 53.8 हो गया, जोकि –21.9 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

सेवा क्षेत्र

1.23 सेवा क्षेत्र के महत्व का अंदाजा अर्थव्यवस्था के सकल राज्य मूल्य वर्धन में इसके योगदान को देखकर लगाया जा सकता है। सकल राज्य मूल्य वर्धन में सेवा क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2022–23 में स्थिर (2011–12) मूल्यों पर 49.4 प्रतिशत आंका गया है। सकल राज्य मूल्य वर्धन में सेवा क्षेत्र का उच्च अंश राज्य की अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव का प्रतीक है और यह एक विकसित अर्थव्यवस्था को बुनियादी घटकों के नजदीक ले जाता है। 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सेवा क्षेत्र में 12.2 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि हुई। सेवा क्षेत्र की यह विकास दर इसी अवधि की कृषि एवं सहबद्ध और उद्योग क्षेत्र की संयुक्त औसत वार्षिक विकास दर से काफी तेज थी। 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–17) के दौरान सेवा क्षेत्र में औसत वार्षिक विकास दर 10.1 प्रतिशत थी जो कि कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों और उद्योग क्षेत्र की संयुक्त औसत वार्षिक विकास दर (6.3 प्रतिशत) से ज्यादा थी।

1.24 11वीं और 12वीं पंचवर्षीय योजनाओं की अवधि में उत्कृष्ट वृद्धि दर्ज करने के बाद, सेवा क्षेत्र की वृद्धि धीमी हो गई। इस क्षेत्र ने 2017–18, 2018–19, 2019–20 और 2020–21 में क्रमशः 5.6 प्रतिशत, 8.5 प्रतिशत, 4.6 प्रतिशत और –9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वर्ष 2021–22 के द्रुत अनुमानों के अनुसार इस क्षेत्र का वास्तविक सकल राज्य मूल्य वर्धन वर्ष 2020–21 में 2,16,853.10 करोड़ रूपये के अनंतिम अनुमान के मुकाबले 12.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,43,835.30 करोड़ रूपये हो गया। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, सेवा क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन वर्ष 2021–22 की तुलना में 8.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,64,212.93 करोड़ रूपये अनुमानित है। सेवा क्षेत्र में दर्ज 8.4 प्रतिशत की वृद्धि मुख्य रूप से परिवहन, भण्डारण, संचार और प्रसारण से सम्बन्धित सेवाओं (18.1 प्रतिशत), वित्तीय सेवाओं, स्थावर सम्पदा तथा व्यवसायिक सेवाओं (8.8 प्रतिशत) क्षेत्रों में दर्ज वृद्धि के कारण सम्भव हुई है (**तालिका 1.7**)।

सेवा क्षेत्र के विभिन्न उप–क्षेत्रों का विकास

व्यापार, मरम्मत, होटल एवं रेस्टोरेन्ट

1.25 वर्ष 2021–22 के द्रुत अनुमानों के अनुसार इस उप–क्षेत्र में 20.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि वर्ष 2020–21 में इसकी 20.6 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों में इस उप–क्षेत्र की विकास दर 7.5 प्रतिशत होने की संभावना है।

परिवहन, भण्डारण, संचार एवं प्रसारण सम्बन्धी सेवाएं

1.26 वर्ष 2021–22 के द्रुत अनुमानों के अनुसार इस उप–क्षेत्र में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि वर्ष 2020–21 में इसमें 17 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार इस उप–क्षेत्र की वृद्धि दर 18.1 प्रतिशत होने की सम्भावना है।

वित्तीय, स्थावर सम्पदा एवं व्यवसायिक सेवाएं

1.27 वर्ष 2020–21 के इन उप–क्षेत्र में 3.5 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि दर रही है जबकि वर्ष 2021–22 में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार इस उप–क्षेत्र में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि होने की सम्भावना है।

लोक प्रशासन एवं अन्य सेवाएं

1.28 वर्ष 2020–21 के दौरान इस उप–क्षेत्र में दर्ज 5.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2021–22 में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार इस उप–क्षेत्र में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि होने की सम्भावना है।

हरियाणा राज्य का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में योगदान

1.29 राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में हरियाणा राज्य का योगदान समय बीतने के साथ धीरे–धीरे बढ़ा है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में हरियाणा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का योगदान स्थिर (2011–12) कीमतों पर 2011–12 में 3.4 प्रतिशत दर्ज किया गया था जो अब वर्ष 2022–23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गया है (**आकृति 1.5**)। प्रचलित कीमतों पर, राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में हरियाणा राज्य का हिस्सा वर्ष 2022–23 में 3.6 प्रतिशत होने का अनुमान है।

तालिका 1.7– सेवा क्षेत्र का सकल राज्य मूल्य वर्धन स्थिर (2011–12) मूल्यों पर

(करोड़ रूपये में)

क्षेत्र	**2011–12**	**2015–16**	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**2020–21**	**2021–22 (द्रु:)**	**2022–23 (अग्र:)**
व्यापार, मरम्मत, होटल और रेस्टोरेंट	33107.42	50324.65 (16.8)	55986.73 (11.3)	62645.36 (11.9)	69277.80 (10.6)	74420.97 (7.4)	59092.67 (-20.6)	71039.28 (20.2)	76359.81 (7.5)
परिवहन, भण्डारण, संचार और प्रसारण सम्बन्धित सेवाएं	17276.89	24381.94 (6.3)	24631.92 (1.0)	24707.85 (0.3)	25412.16 (2.9)	25670.08 (1.0)	21306.43 (-17.0)	24286.19 (14.0)	28676.81 (18.1)
वित्तीय, स्थावर सम्पदा और व्यवसायिक सेवाएं	52584.59	81917.61 (10.7)	89570.59 (9.3)	90199.05 (0.7)	99480.81 (10.3)	102035.20 (2.6)	98481.97 (-3.5)	107425.75 (9.1)	116838.48 (8.8)
लोक प्रशासन एवं अन्य सेवाएं	19956.26	26587.59 (5.2)	28722.72 (8.0)	32425.19 (12.9)	33571.24 (3.5)	36050.59 (7.4)	37972.04 (5.3)	41084.09 (8.2)	42337.83 (3.1)
कुल सेवाएं	**122925.16**	**183211.78 (10.8)**	**198911.97 (8.6)**	**209977.45 (5.6)**	**227742.02 (8.5)**	**238176.84 (4.6)**	**216853.10 (-9.0)**	**243835.30 (12.4)**	**264212.93 (8.4)**

द्रु: द्रुत अनुमान अग्र: अग्रिम अनुमान। * कोष्ठक में लिखे गए आँकडे पिछले साल से प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।

स्त्रोत: अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

आकृति 1.5– स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय सकल घरेलु उत्पाद में हरियाणा का योगदान

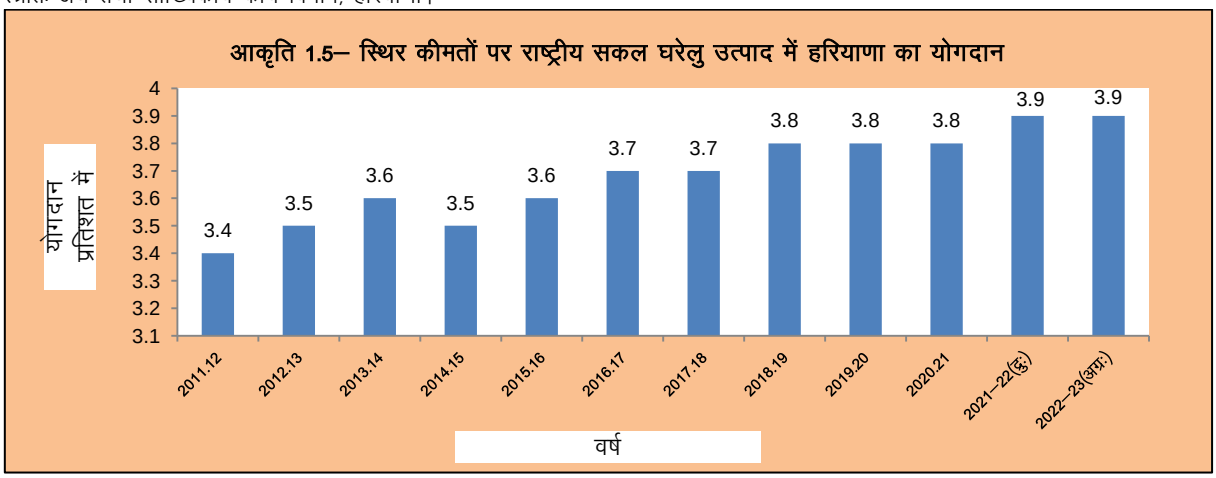

सकल स्थाई पूंजी निर्माण

1.30 अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता काफी हद तक पूंजी निर्माण पर निर्भर करती हैं अर्थात अधिक पूंजी संचय, अर्थव्यवस्था की उच्च उत्पादक क्षमता को दर्शाता है। अर्थ एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा प्रचलित एवं स्थिर (2004–05) भावों पर सकल स्थाई पूंजी निर्माण के अनुमान जैसे कि उद्योगों के उपयोग, संस्थानों के प्रकार एवं परिसम्पतियों के प्रकार तैयार करता है। प्रचलित भावों पर राज्य में सकल स्थाई पूंजी निर्माण के अनुमान वर्ष 2020–21 के दौरान 10,4865 करोड़ रूपये के विरूद्ध वर्ष 2019–20 के दौरान 98,953 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये जिसमें 6 प्रतिशत की वृद्वि दर्ज की गई। इसी तरह स्थिर (2004–05) भावों पर सकल स्थाई पूंजी निर्माण वर्ष 2020–21 में 50,061 करोड़ रूपये के विरूद्ध वर्ष 2019–20 में 47,922 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये जिसमें 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सकल स्थाई पूंजी निर्माण के अनुमान वर्षवार **तालिका 1.8** में दर्शाये गये हैं।

प्राथमिक क्षेत्र में सकल स्थाई पूंजी निर्माण

1.31 राज्य के सकल स्थाई पूंजी निर्माण में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों का अंश स्थिर (2004–05) भावों पर वर्ष 2019–20 में 16 प्रतिशत तथा वर्ष 2020–21 में 16 प्रतिशत ही रहा है।

तालिका 1.8–हरियाणा में सकल स्थाई पूंजी निर्माण

(करोड़ रूपये में)

वर्ष	सकल स्थाई पूंजी निर्माण	
	चालू भावों पर	स्थिर (2004–05) भावों पर
2012–13	53158	32041
2013–14	59134	33584
2014–15	65357	36158
2015–16	71116	38851
2016–17	78423	41463
2017–18	86061	44442
2018–19	94130	46101
2019–20	98953	47922
2020–21(अ:)	104865	50061

अ: अनन्तिम अनुमान

स्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

द्वितीयक क्षेत्र में सकल स्थाई पूंजी निर्माण

1.32 राज्य के सकल स्थाई पूंजी निर्माण में द्वितीयक क्षेत्र का अंश वर्ष 2019–20 में 51.3 प्रतिशत था जोकि वर्ष 2020–21 में घटकर 51 प्रतिशत हो गया है।

तृतीयक क्षेत्र में सकल स्थाई पूंजी निर्माण

1.33 राज्य के सकल स्थाई पूंजी निर्माण में तृतीयक क्षेत्र का अंश वर्ष 2019–20 में 32.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2020–21 में 33 प्रतिशत हो गया है।

कीमतों की स्थिति

1.34 राज्य में कीमतों की स्थिति का आंकलन करने के लिए अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, साप्ताहिक खुदरा भाव, पाक्षिक ग्रामीण भाव, साप्ताहिक कृषि वस्तुओं के थोक भाव तथा त्रैमासिक मकान किराये के आंकडों से सम्बन्धित नियमित सूचनाएं एकत्रित करता है व 20 चयनित कृषि वस्तुओं के थोक भाव सूचंकाक, ग्रामीण खुदरा भाव सूचकांक तथा श्रमिक वर्ग के उपभोक्ता कीमत सूचकांक तैयार करता है।

1.35 थोक मूल्य सूचकांकः राज्य की 20 चयनित कृषि वस्तुओं (आधार वर्ष कृषि 1980–81=100) के थोक मूल्य सूचकांक को वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक को **तालिका 1.9** में दिखाया गया है। यह वर्ष 2020–21 में 1,570.5 से बढ़कर वर्ष 2021–22 में 1,642.9 हो गया जोकि 4.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है जबकि यह वृद्वि वर्ष 2019–20 और वर्ष 2020–21 में पिछले वर्ष की तुलना से क्रमशः 5.1 एवं 4 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

तालिका 1.9– हरियाणा की 20 चयनित कृषि वस्तुओं का वर्षवार थोक मूल्य सूचकांक

वर्ष	सूचकांक कृषि आधार वर्ष (1980–81=100)
2017–18	1384.9
2018–19	1437.3
2019–20	1510.5
2020–21	1570.5
2021–22	1642.9

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग,हरियाणा।

1.36 माहवार थोक मूल्य सूचकांक दिसम्बर, 2021 से दिसम्बर, 2022 तक को **तालिका 1.10** में दर्शाया गया है। थोक मूल्य सूचकांक दिसम्बर, 2021 में 1,645.1 से बढ़कर दिसम्बर, 2022 में 1,723.3 हो गया जो कि 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि अनाजों, कपास व अन्य फसलों के भावों में वृद्धि के कारण हुई।

1.37 उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण) एक अवधि में उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के कीमत स्तर में होने वाले परिवर्तन को मापता है। इस सूचकांक की गणना का मुख्य उद्देश्य सामान्य स्तर पर उन परिवर्तनों की गति को मापना है जो कि राज्य में एक औसत ग्रामीण परिवार के द्वारा खुदरा कीमतों पर चयनित आवश्यक वस्तुओं के उपभोग पर खर्च की जाती हैं। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के 23 गांवों से पाक्षिक कीमतें एकत्रित की जाती है।

तालिका 1.10–हरियाणा की 20 चयनित कृषि वस्तुओं का माहवार थोक मूल्य सूचकांक

मास	सूचकांक आधार वर्ष (1980–81=100)
दिसम्बर, 2021	1645.1
जनवरी, 2022	1640.2
फरवरी, 2022	1646.0
मार्च, 2022	1650.4
अप्रैल, 2022	1654.2
मई, 20202	1666.1
जून, 2022	1672.2
जुलाई, 2022	1677.3
अगस्त, 2022	1690.2
सितम्बर, 2022	1712.1
अक्तूबर, 2022	1722.4
नवम्बर, 2022	1727.3
दिसम्बर, 2022	1723.3

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग,हरियाणा।

1.38 उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण): खाद्य वर्ग के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ग्रामीण में वर्ष 2020–21 में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2021–22 में 4.9 प्रतिशत रही तथा सामान्य वर्ग में यह वर्ष 2020–21 में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2021–22 में 5.1 प्रतिशत रही। राज्य में वर्ष-वार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण) वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021-22 तक को **तालिका 1.11** में दर्शाया गया है।

तालिका 1.11–हरियाणा में वर्षवार ग्रामीण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1988–89=100)

वर्ष	खाद्य सूचकांक	सामान्य सूचकांक
2017–18	787	733
2018–19	829	767
2019–20	889	811
2020–21	918	849
2021–22	963	892

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

1.39 राज्य के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण) के माहवार गति के अवलोकन के विवरण को दिसम्बर, 2021 से दिसम्बर, 2022 तक **तालिका 1.12** में प्रस्तुत किया गया है यह सूचकांक दिसम्बर, 2021 में 885 था जो कि दिसम्बर, 2022 में बढ़कर 933 हो गया, जो कि 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

तालिका 1.12–हरियाणा में माहवार ग्रामीण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1988–89=100)

मास	सूचकांक
दिसम्बर, 2021	885
जनवरी, 2022	883
फरवरी, 2022	882
मार्च, 2022	890
अप्रैल, 2022	905
मई, 20202	915
जून, 2022	919
जुलाई, 2022	920
अगस्त, 2022	927
सितम्बर, 2022	935
अक्तूबर, 2022	943
नवम्बर, 2022	946
दिसम्बर, 2022	933

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

1.40 श्रमिक वर्ग के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांकः श्रमिक वर्ग के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एक निश्चित समय में निश्चित वस्तुओं और सेवाओं की खुदरा कीमतों पर एक औसत श्रमिक वर्ग के परिवार द्वारा आधार वर्ष के संदर्भ में उपभोग की गई सापेक्षिक कीमतों

के परिवर्तनों को मापता है। यह छः केन्द्रों नामतः सूरजपुर पिन्जौर, पानीपत, सोनीपत, भिवानी, हिसार और बहादुरगढ़ के मासिक सूचकांको के भारित औसत को ध्यान में रखकर आधार वर्ष 1982=100 के आधार पर संकलित किया गया है। जबकि वर्ष 2022 में यह नए आधार वर्ष 2016=100 के साथ छः केन्द्रों नामत, अम्बाला, बहादुरगढ़, हिसार, रेवाड़ी, पानीपत तथा सोनीपत के आधार पर संकलित किया गया है। राज्य के श्रमिक वर्ग का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वर्ष 2018 से 2022 तक को **तालिका 1.13** में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1.13–हरियाणा के श्रमिक वर्ग का वर्षवार औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1982=100)

वर्ष	सूचकांक
2018	1141
2019	1215
2020	1281
2021	1344
2022*	128.4

*आधार वर्ष 2016=100

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

1.41 राज्य में माहवार श्रमिक वर्ग के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की गति के आंकलन को दिसम्बर, 2021 से दिसम्बर, 2022 तक को **तालिका 1.14** में प्रस्तुत किया गया है। श्रमिक वर्ग के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक छः केन्द्रों नामत, अम्बाला, बहादुरगढ़, हिसार, रेवाड़ी, पानीपत तथा सोनीपत के मासिक सूचकांको के भारित औसत को ध्यान में रखते हुए माह अगस्त, 2021 से नए आधार वर्ष 2016=100 के आधार पर संकलित किया गया है। यह सूचकांक दिसम्बर, 2021 में 124.1 था जो कि दिसम्बर, 2022 में बढ़कर 131 हो गया, जो कि 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

तालिका 1.14–हरियाणा में श्रमिक वर्ग का माहवार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 2016=100)

मास	सूचकांक
दिसम्बर, 2021	124.1
जनवरी, 2022	123.9
फरवरी, 2022	123.8
मार्च, 2022	124.8
अप्रैल, 2022	126.7
मई, 20202	128.1
जून, 2022	128.6
जुलाई, 2022	128.8
अगस्त, 2022	129.7
सितम्बर, 2022	130.8
अक्तूबर, 2022	132.1
नवम्बर, 2022	132.3
दिसम्बर, 2022	131.0

स्त्रोतः अर्थ तथा सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा।

***